

सम्पादकीय

चुनाव का सेमी फाइनल

2023 में पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव को पर्यवेक्षक 2024 को होने वाले आम चुनाव का सेमी फाइनल मान रखे हैं। राजस्थान, छत्तीसगढ़ में तो कांग्रेस की सरकार है, मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार है। इन तीनों राज्यों में कांग्रेस और भाजपा में समान की टक्का है। 2018 में कांग्रेस ने राजस्थान छत्तीसगढ़ में अपने प्रदेश का चुनाव जीता था पर 2019 के आम चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस को नाया बना दिया। 2024 के आम चुनाव में भाजपा हैट्रिक बनाने के लिये पूरा जोर लगा रही है। अगर कांग्रेस अभी होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा में आगे अपने तीनों राजित राज्यों में पिछे अपने को दोहरा सकती है तो उसका नैतिक साहस बढ़ जायेगा। 2024 के आम चुनाव में कुछ अनियन्त्रित उत्तर से उत्तर सकती है। पर अगर सन्तोषप्रद नीति जीते तो उसकी दिखाई देती है। अगर उसका प्रदर्शन माझपूरी होगा तो और जीते खिसक सकती है। 2023 के नौतीन उत्तर सकें एक संकेतक बोर्ड। भाजपा के पास चुनाव के पक्ष में प्रशंसित कार्यकारी ग्राम रुक्त तक पैले हुए है। लगातार चुनाव जीते जाने से उनकी कुशलता भी बढ़ी उत्तर भी बढ़ा है। वे अगर उत्तर से अभी से अपने क्षेत्रों में लोगों हुए हैं। इन लोगों ने चुनाव को बहुत प्रतिरूपित करना दिया है इनकी तुलना में कांग्रेस की नहीं दिखती है। चूंकि कांग्रेस ग्रैंडओड पार्टी है उनके पास अनुभवी योग्य नेता भी हैं पर आपसी विदेशी भाव है एक परिवार के नेतृत्व से ग्रसित है। अगर वह मुख्य विरोधी पार्टी में अपने बहुत बहिर्भूत तकरीब बहुत उत्तरांहीं हुआ जा सकता। गहुल की पदवात्रा से गहुल और कांग्रेस का कद बढ़ा है। गहुल सीधे मोदी पर आधिकार लगा कर टकरा रहे हैं, उन्हें मीडिया वाले में अब जुझारी लोगों के ले आये हैं जो सरकार और उनकी नीतियों के खिलाफ सख्त टिप्पणियां कर रहे हैं। गहुल पूर्ण से बाहर आये दिख रहे हैं। इन सबके बावजूद उनका गहुल अभी बहुत लम्बा है और कंटक पूर्णी भी है।

कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफोद्दो चुनाव जीती जीती है। दिल्ली चुनाव में कांग्रेस की पीपीडी होनी की उम्मीद बना इतिहास से जीत गये है या पार्टी के दमकर एवं जीते हैं। सिद्धराजी और भीकुमार के जीतों के बावजूद लोगों ने जीत हांदे रहे हैं और क्षेत्रीय नेताओं को आये कर रही है। यांची परिवार के मोह से अब मुक्त करने में लगी है। यही बजार है मध्यप्रदेश में कमलनाथ को राजस्थान में पिछ अशक्क गहरात को छाँटी गई पुरुष बोलते को और तेलांगां में रुद्धी को उभार रखी है। प्रचार पोस्टरों में भी स्थानीय नेताओं को शाश्वत नेताओं के साथ शामिल कर रहे हैं। प्रचार भी उत्तरांह में साथ जोरावर से कर रहे हैं। तेलांगाना कांग्रेस का आक्रमक प्रचार क्षेत्रीय पार्टियों जैसे आपरास के थोके के तोड़ने के लिये चल रहा है। अगर गहुल ने अपनी पुरुषी इमेज तोड़ी है तो उनकी बहुत रेप्रिकंटा आक्रमक प्रचार करते हुये महिलाओं को जोड़ रही है और सेमी कांग्रेस की ओर से लोगों ने गहुल कर रही है। कुल मिलाकर इस बार कांग्रेस का प्रचार जो पहले बहुत ढीला ढाला चल रहा था उसमें चुस्ती आ गयी है। वैसे रेडियों तो सभी पार्टियां बांट रहे हैं। लगता है चुनाव रेवड़ी बांट में भी साथ-साथ चल रही है। कांग्रेस जीत के लिये हर तरह से अपने को मजबूत करने में लगी है। कभी चुनाव के गणनीतिकर के रूप में प्रशान्त को लेकर बहुत असन्तोष भी बढ़ गया था। क्योंकि वे सभी को डाकते कर सकते बढ़ बढ़ने में जागा लग रहे थे। इस बार कांग्रेस ने चुनाव गणनीतिकर के रूप में सुनील कर्मणों वाले जो बढ़ रहे हैं जो बढ़ते जाने वाले और कुशल माने जाते हैं। नौतीजा अनेके के बाद इसकी पुष्टी होगी। सुनील भाजपा के साथ भी रह चुके हैं। कांग्रेस ने सोशल मीडिया के लोगों को बदल कर अप्रेसिव लोगों को जागा दी है जो भाजपा की तीव्री अलोचना करने में लगी है भाजपा का खिलाफोद्दो चुनाव के बावजूद लोगों को पार्टी लोगों के साथ शामिल कर रहे हैं। प्रचार भी उत्तरांह में हर तरीका के पास अपने को जोड़ रहे हैं। अब तेलांगाना कांग्रेस का आक्रमक प्रचार क्षेत्रीय पार्टियों जैसे आपरास के थोके के तोड़ने के लिये चल रहा है। अगर गहुल ने अपनी पुरुषी इमेज तोड़ी है तो उनकी बहुत रेप्रिकंटा आक्रमक प्रचार करते हुये महिलाओं को जोड़ रही है और एक भी लोगों ने गहुल कर रही है। लगता है चुनाव रेवड़ी बांट में भी साथ-साथ चल रही है।

हिंदी भाषा की पवित्रता, व्यापकता ही हिंदी को वैष्णवक फलक प्रदान करती है

संजीव ठाकुर

देश की सर्व सम्मत भाषा है। यह अलग बात है कि अभी तक संवैधानिक रूप से इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त किया जाया है। स्वतंत्रता आंदोलन के समय अद्वैतकार्यों संचाव की भाषा के रूप में स्थापित हो चुकी है हिंदी को भारतीय संघर्षित महात्मा गांधी ने कहा था कि भारतीय भाषा का रूप से एक सम्पूर्ण भाषा है। यहीं कांग्रेस के लिए आवश्यक है हिंदी की सर्वभौमिक स्थीकारिता के कारण ही भारतीय राजनेताओं ने हिंदी को गणभाषा का निर्णय लिया था। उत्तरेखणीय है कि हिंदी भाषा विदेशों में हिंदी को भारतीय कोशिशों में विश्वासी भाषा की रूप से अप्रियोगिता के बावजूद भारतीय राजनेताओं ने हिंदी को भारतीय संघर्षित कर रखा है। कांग्रेस ने एक समाजांतरी नैतिक रूप से अपने लोगों को जागा दी है जो भाजपा की खिलाफोद्दो चुनाव के बावजूद लोगों को जागा दी है जो भाजपा की अप्रियोगिता के बावजूद लोगों को जागा दी है। अब तेलांगाना कांग्रेस की आक्रमक प्रचार क्षेत्रीय पार्टियों जैसे आपरास के थोके के थोके के तोड़ने के लिये चल रहा है। अगर गहुल ने अपनी पुरुषी इमेज तोड़ी है तो उनकी बहुत रेप्रिकंटा आक्रमक प्रचार करते हुये महिलाओं को जोड़ रही है और एक भी लोगों ने गहुल कर रही है। यहीं तेलांगाना कांग्रेस की आक्रमक प्रचार क्षेत्रीय पार्टियों जैसे आपरास के थोके के थोके के तोड़ने के लिये चल रहा है। अगर गहुल ने अपनी पुरुषी इमेज तोड़ी है तो उनकी बहुत रेप्रिकंटा आक्रमक प्रचार करते हुये महिलाओं को जोड़ रही है और एक भी लोगों ने गहुल कर रही है। यहीं तेलांगाना कांग्रेस की आक्रमक प्रचार क्षेत्रीय पार्टियों जैसे आपरास के थोके के थोके के तोड़ने के लिये चल रहा है। अगर गहुल ने अपनी पुरुषी इमेज तोड़ी है तो उनकी बहुत रेप्रिकंटा आक्रमक प्रचार करते हुये महिलाओं को जोड़ रही है और एक भी लोगों ने गहुल कर रही है। यहीं तेलांगाना कांग्रेस की आक्रमक प्रचार क्षेत्रीय पार्टियों जैसे आपरास के थोके के थोके के तोड़ने के लिये चल रहा है। अगर गहुल ने अपनी पुरुषी इमेज तोड़ी है तो उनकी बहुत रेप्रिकंटा आक्रमक प्रचार करते हुये महिलाओं को जोड़ रही है और एक भी लोगों ने गहुल कर रही है। यहीं तेलांगाना कांग्रेस की आक्रमक प्रचार क्षेत्रीय पार्टियों जैसे आपरास के थोके के थोके के तोड़ने के लिये चल रहा है। अगर गहुल ने अपनी पुरुषी इमेज तोड़ी है तो उनकी बहुत रेप्रिकंटा आक्रमक प्रचार करते हुये महिलाओं को जोड़ रही है और एक भी लोगों ने गहुल कर रही है। यहीं तेलांगाना कांग्रेस की आक्रमक प्रचार क्षेत्रीय पार्टियों जैसे आपरास के थोके के थोके के तोड़ने के लिये चल रहा है। अगर गहुल ने अपनी पुरुषी इमेज तोड़ी है तो उनकी बहुत रेप्रिकंटा आक्रमक प्रचार करते हुये महिलाओं को जोड़ रही है और एक भी लोगों ने गहुल कर रही है। यहीं तेलांगाना कांग्रेस की आक्रमक प्रचार क्षेत्रीय पार्टियों जैसे आपरास के थोके के थोके के तोड़ने के लिये चल रहा है। अगर गहुल ने अपनी पुरुषी इमेज तोड़ी है तो उनकी बहुत रेप्रिकंटा आक्रमक प्रचार करते हुये महिलाओं को जोड़ रही है और एक भी लोगों ने गहुल कर रही है। यहीं तेलांगाना कांग्रेस की आक्रमक प्रचार क्षेत्रीय पार्टियों जैसे आपरास के थोके के थोके के तोड़ने के लिये चल रहा है। अगर गहुल ने अपनी पुरुषी इमेज तोड़ी है तो उनकी बहुत रेप्रिकंटा आक्रमक प्रचार करते हुये महिलाओं को जोड़ रही है और एक भी लोगों ने गहुल कर रही है। यहीं तेलांगाना कांग्रेस की आक्रमक प्रचार क्षेत्रीय पार्टियों जैसे आपरास के थोके के थोके के तोड़ने के लिये चल रहा है। अगर गहुल ने अपनी पुरुषी इमेज तोड़ी है तो उनकी बहुत रेप्रिकंटा आक्रमक प्रचार करते हुये महिलाओं को जोड़ रही है और एक भी लोगों ने गहुल कर रही है। यहीं तेलांगाना कांग्रेस की आक्रमक प्रचार क्षेत्रीय पार्टियों जैसे आपरास के थोके के थोके के तोड़ने के लिये चल रहा है। अगर गहुल ने अपनी पुरुषी इमेज तोड़ी है तो उनकी बहुत रेप्रिकंटा आक्रमक प्रचार करते हुये महिलाओं को जोड़ रही है और एक भी लोगों ने गहुल कर रही है। यहीं तेलांगाना कांग्रेस की आक्रमक प्रचार क्षेत्रीय पार्टियों जैसे आपरास के थोके के थोके के तोड़ने के लिये चल रहा है। अगर गहुल ने अपनी पुरुषी इमेज तोड़ी है तो उनकी बहुत रेप्रिकंटा आक्रमक प्रचार करते हुये महिलाओं को जोड़ रही है और एक भी लोगों ने गहुल कर रही है। यहीं तेलांगाना कांग्रेस की आक्रमक प्रचार क्षेत्रीय पार्टियों जैसे आपरास के थोके के थोके के तोड़ने के लिये चल रहा है। अगर गहुल ने अपनी पुरुषी इमेज तोड़ी है तो उनकी बहुत रेप्रिकंटा आक्रमक प्रचार करते हुये महिलाओं को जोड़ रही है और एक भी लोगों ने गहुल कर रही है। यहीं तेलांगाना कांग्रेस की आक्रमक प्रचार क्षेत्रीय पार्टियों जैसे आपरास के थोके के थोके के तोड़ने के लिये चल रहा है। अगर गहुल ने अपनी पुरुषी इमेज तोड़ी है तो उनकी बहुत रेप्रिकंटा आक्रमक प्रचार करते हुये महिलाओं को जोड़ रही है और एक भी लोगों ने गहुल कर रही है। यहीं तेलांगाना कांग्रेस की आक्रमक प्रचार क्षेत्रीय पार्टियों जैसे आपरास के थोके के थोके के तोड़ने के लिये चल रहा है। अगर गहुल ने अपनी पुरुषी इमेज तोड़ी है तो उ

